



डायमण्ड
कॉमिक्स

D-415 10.00

पता। पाचा चौधरी का इंसाफ



श्रीरघूदास, तुम भूले हो.

पल्लूराम, मैं तुम्हारी नाक तोड़ दूंगा.

अरे भई क्या बात है?

चाचा चौधरी का इन्साफ

चाचाजी, मैं आपकी शरण आया हूं. इन्साफ कीजिए.

मैं एक दिन जब श्रीरघूदास के घर गया तो यह बड़ी कड़ुकी में था. इसने मुझ से एक हजार रुपये उधार लिए. अब एक महीने बाद जब मैं इससे अपने रुपये वापस मांग रहा हूं तो यह साफ मंकर रहा है.

पल्लूराम! तुमने जो एक हजार रुपये इसे दिये, उसकी कोई रसीद है तुम्हारे पास?

उसवक्त मैं और श्रीरघूदास एकदोस्त थे. इसलिए मैंने रसीद मांगना मतलब नहीं समझा.



क्यों भई श्रीसूदास! तुम पल्लू राम के पैसे क्यों नहीं देते?



चाचाजी, राम का नाम लो. मैंने जब पैसे लिए ही नहीं तो दूँ कहां से?



क्यों बहन, सच बोलना, तुम गवाह हो क्या पल्लू राम ने श्रीसूदास को पैसे दिए थे?



नहीं!



चाचाजी यह श्रीसूदास की बीवी है इसलिए झूठ बोल रही है. मैंने पैसे इसके सामने दिए थे.



मामला तो बड़ा पेचीदा हो गया है.



क्या वहां घर कोई मौजूद था?

एक तोता, लेकिन वह श्री श्रीसूदास का है.



उस तोते को लाओ.

अभी लाते हैं.



कुछ देर बाद

यह रहा हमारा मिट्टूराम.



मिट्टूराम! तुम्हारे मालिक तुम्हारी मालिकिन से क्या कहते हैं?



पल्लूराम को मैंने रसीद नहीं दी... नहीं दी... मैं कैसे देने से मुकर जाऊंगा... मुकर जाऊंगा... हजार रुपया हजम?



अब बोलो श्रीसूदास! इंसान मूठ बोल सकता है लेकिन परिंद नहीं.

मानता हूं याचाजी मैंने कैसे लिया थे



बैटिस फेटिस



याचाजी!
बचाओ, बचाओ!



अरे रुब्दू! अपनी भास कमीज उतारफेंको. सांड भास रांग से बीसला उठता है.



याचा चौकरी कीक कहता है. अगर मैंने वह कमीजन उतारी तो यह पागल सांड मुझे रुब्दू की तरह धुन कर रख देगा.



वहलो, मैंने कमीज उतार दी.



और देखो वह सांड भी शांत हो गया. वह कमीज मुझे दे जाओ, नहीं तो वह तुम्हें फिर मारने दौड़ेगा.

मंगल ग्रह के दो वैज्ञानिक ब्रिटिस और के ब्रिटिस पृथ्वी पर आए हुए हैं।



ब्रिटिस, अगर हम इस बड़े आदमी को मंगल ग्रह पर ले जाएं और अपने लोगों को इसी तरह का संज्ञा चौड़ा बनारं तो अच्छा होगा. क्योंकि ऐसे लोग काम अधिक करते हैं.

लेकिन मेरी नजरें उस पास बैठे छोटे व्यक्ति के विभाग के आरपर ना रही हैं....



वह छोटा आदमी बहुत ही तीक्ष्ण बुद्धि का गैर होशियार लगता है.

ठीक है, हम दोनों को ले चलते हैं. हम अपनी नज़रों को उस बड़े जैसा ताकतवर शरीर देंगे और छोटे जैसा तीक्ष्ण विभाग.



एक किरणों से सबू और घाव चौधरी को मिटाकर कर लिया जाता है.



साबू! घटने के लिए ताकत मत खर्च करो. हमें इन किरणों से नहीं धूट सकते.

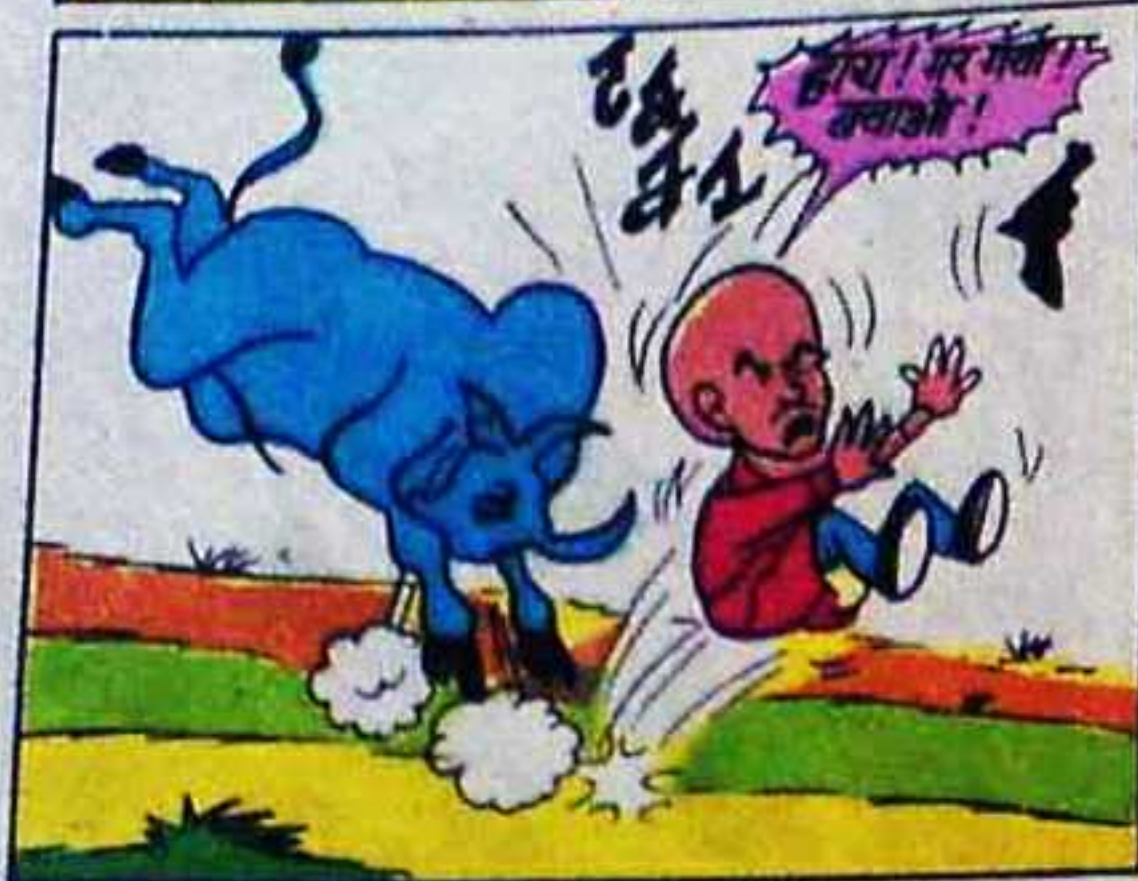


तभी कैब्रिटिस का ध्यान लाल कमीज की तरफ जाता है.

तुम्हारे हाथ में वह क्या है ?

यह एक कमीज है. लो पहनकर देखो.







जवानी का लुब्धवा

एक दिन चाचा चौधरी से मिलने दो बुजुर्ग आए.

चाचाजी, अच्छा हुआ कि आप घर पर ही मिल गए.



आप तो मेरे बुजुर्ग हैं, फिर मैं आपका चाचा कैसे हुआ?



आप चाचा चौधरी के नाम से इतने मशहूर हो गए हैं कि लोग आपका असली नाम भूल ही गए हैं. सो किस नाम से बुलाएं?

अच्छा अब बताएं, आपकी क्या समस्या है?



शहर में एक ठग बूढ़े से जवान होने की दवा बेच रहा है. हमने यह दवा खरीदी, लेकिन जवान नहीं हुए. जब हम उसे दवा वापिस करने गए तो उसने यह कह कर कि हमारा दवा इस्तेमाल करने का तरीका गलत था, येसे लौटाने से इंकार कर दिया.

आप बुजुर्ग होते हुए भी जाल में फंस गए?



जवानी का लोभ किसकी अकल पर पर्दा नहीं डाल देता?



ऐसे तो वह शहर के दूसरे लोगों को भी ठगता फिर रहा होगा. उसे रोकना चाहिए.

भाईयो! आ प्रया, आ गया! बुढ़ापे का भगाने वाला, जवानी को लाने वाला यह अजीबो-गरीब नुस्खा. एक हफ्ता दवा खाओ, जवान हो जाओ.

सबूत सामने हैं- मजबूत दांत और मेरे काले बाल. देखिये, मेरी उम्र पच्चासी वर्ष की है. मैंने यह दवा खाई और मेरे सारे दांत और काले बाल दोबारा आ गए. दवा का सीमित स्टॉक है. जिसे चाहिए हाथ खड़ा कर दे.

क्या सबूत है कि तुम्हारी उम्र पच्चासी वर्ष है ?

यह रहा मेरा मेडिकल का सर्टिफिकेट, इस पर मेरी जन्म तिथि लिखी है. उम्मीद है अब दूसरों का कोई धुन नहीं करेगा.

अगर तुम्हें दवा नहीं खरीदनी तो बीच में खलल क्यों डालते हो ?

भाग जाओ !





जनता मेरे खिलाफ हो गई है.
दिक नंबर निम्नान्वे
चलनी चाहिए.



सचमुच तुमने अजीबोगरीब आविष्कार किया है. मुझसे भूल हो
गई. तुमहें इस पर नोबल पुरस्कार मिलना चाहिए. लेकिन
फिल्महाल तुम मेरी तरफ से यह डिब्बी कबूल
करमाओ

यह क्या है ?

मूष कर
देरवो.



वह मूषता है.

आह! सचमुच बड़ी
अच्छी खुशबू है.



तभी.

अ-अ-आकधी!



ओह! मेरे दांत!



दूसरी धींक.

आकधी!



ओह, मेरा विग. उस
कमबस्त ने नसवार दे दी.



अरे, उसने तो नकली दांत, विग लगाए

अगर दवाई खाने से जवानी लौट
आती तो दुनिया में
कोई बूढ़ा न
रहता.

कल्लू कुम्हार अपने गधे को सरे आम पीट रहा था.

अर...र...र!
ठहरो!



कल्लू का राधा



वेजुबान जानवर को क्यों मार रहे हो? गधा बड़े काम का जानवर है. दिन भर बरों बीभा देता है. रात को जहाँ डाल दो, पड़कर सो जाता है.

चाचाजी यही तो मुसीबत है, यह गधा अब बूढ़ा हो गया है. बीभू ठोने के काबिल नहीं रहा. दिन में पौच रूपर का घास खा जाता है. तेग आकर मैं इसे जमुना पार छोड़ आया, लेकिन यह कमबस्त फिर लौट आया.



अच्छा, कल्लू! अगर तुम इससे तेग आ गए हो तो वह गधा मुझे दे दो.

चाचाजी, अगर आप इसे ले जायेंगे तो मुझ पर बड़ा अहसान होगा.

और चाचा चौधरी इस बूढ़े गधे को लेकर चल दिया.







मैं खिड़की तक पहुंच गया.



पल्लेट के अंदर.

अब और इंतजार बेकार है. पाँच मिनटों में अगर दस हजार रुपया न मिले तो सबको भून दूँगा.



तभी चाचा चौधरी पीछे से उसे दबाच लेता है.

ओह! यह कौन कम्बख्त आ गया?



हाय! मैं मरा!

रह लो!

हड़प



जाओ, तुम जाकर दरवाजा खोलो और अपने पति को ऊपर ले आओ.



घर का मालिक ऊपर आता है.

चाचाजी, आपका धन्यवाद. यह एक हजार रुपया मेरी तरफ से कबूल करें.

शुक्रिया! मैं ऐसे नहीं लेता. आप चाहें तो मेरे गधे को एक समय घास खिला दें.



राजकुमारी नताशा

ब्राजील देश का राजा गुलसब और उसकी बेटी राजकुमारी नताशा.

बेटी नताशा! तुम बड़ी हो गई हो. मैं तुम्हारे ब्याह की सोच रहा हूँ.

पापा! क्या कोई ऐसा व्यक्ति है जो दुनिया में अपनी भिसालें आप हो ?



हां, हैं. भारत देश का चाचा चौधरी. उसका दिमाग संसार में अद्वितीय है.



तो फिर मैं तुम्हारे शादी करूंगी, क्योंकि मैं ऐसी चीज पसंद करती हूँ जो दुनिया में और किसी के पास न हो.

लेकिन बेटी...



लेकिन. लेकिन कुछ नहीं पापा ! नताशा जिस चीज को पसंद करती है, हासिल करके ही छोड़ती है. मैं चली भारत देश.



भारत पहुंचने पर...

अरे भाई, चाचा चौधरी को जानते हो?

कौन नहीं जानता ?

चाचा चौधरी ! मैं बाजीब देवा की राजकुमारी नाताशा तुमसे शादी करने आई हूँ क्योंकि तुम दुनिया के अपने किसिम के अद्वितीय आदमी हो.



वह बौंटा हुआ है.



मर गए !



देखो नाताशा ! दुनिया का अद्वितीय इन्सान वह लम्बा-चौड़ा गाबू है. बेहतर होगा तुम उसीसे शादी करो.



सचमुच इतना ताकतवर इन्सान संसार भर में नहीं.



साबू ! मैं राजकुमारी नाताशा तुमसे शादी करने के लिए आई हूँ क्योंकि तुम विश्व के अजेय बोगरीब इन्सान हो



लम्बा-चौड़ा होना कोई बड़ी बात नहीं है, असली चीज है दिमाग और दुनिया में चाचा चौधरी का ही दिमाग ऐसा है जो कम्प्यूटर से भी तेज चलता है. वही जाओ

मर गए !





चंद्रमुखी पहाड़

माबू! आज हम चंद्रमुखी पहाड़ पर चढ़ेंगे.



गाचाजी! एवरेस्ट पर क्यों न चढ़ें?



एवरेस्ट पर कई लोग जा चुके हैं. चंद्रमुखी पहाड़ पर आज तक कोई नहीं गया.



इसलिए चंद्रमुखी पहाड़ पर चढ़ने से ज्येदा नाम होगा.



धमाकासिंह! क्यों न यह यज्ञ हम हासिल करें?



इस तरह से चन्द्रमुखी पहाड़ पर चढ़ने वाले न सिर्फ हम पहले व्यक्ति होंगे, बल्कि यह भी साबित कर देंगे कि चाचा चौधरी को हराया जा सकता है।

लेकिन वे तो हम से आगे निकल गए हैं।



हम सबक कारास्ता कार में तय करेंगे और उन्हें पीछे छोड़ देंगे।



हो! हो! चौधरी, चन्द्रमुखी पहाड़ पर मिलना।



चाचाजी! इनकी कार उठाकर नदी में फेंक दें?



नहीं माबू! आज देखना है, कसुआ हारता है या खरगोश?

ऊनी कपड़े पहन लें, पहाड़ की चोटी पर ठंड होगी।



देखो! पीछे कहीं वे लोग दिखाई दे रहे हैं?

दूर तक वे दिखाई नहीं दे रहे...







अगर तुम पटाखे का मजा बोगुना करना चाहते हो तो पार्क में चाचा चौधरी सो रहा है. वहां इसे चलाओ.



लेकिन आंटी, मैं चाचा चौधरी को पहचानता नहीं हूँ.



बड़ी आसानी बात है. वह हमेशा लाल पगड़ी पहनता है.



बस, इतना काफी है.



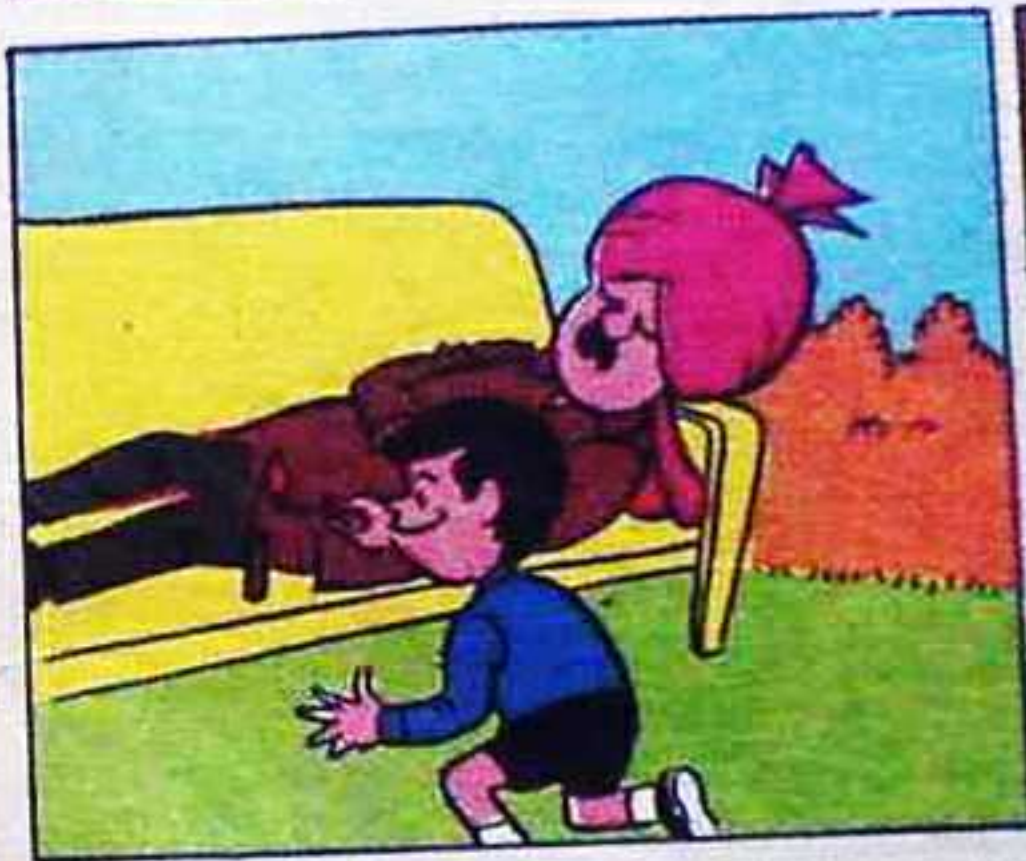
हंडी हवा दख रही है. क्यों न शोड़ी देर बैठ पर सोया जास ?



खर्र! खर्र!!

अगर मैं इसकी पगड़ी उसके सिर पर, और उसकी टोपी इसके सिर पर रख दूँ तो ?







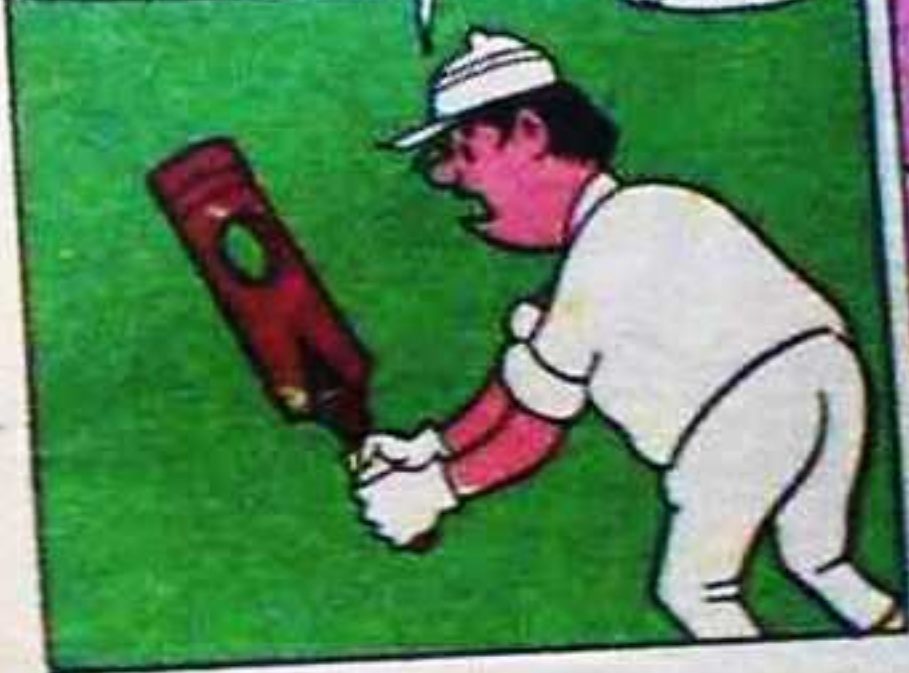
यह गेंद पहले खोवर का पहला बॉल :



धड़क!



उसकी गेंद मेरे बॅट को भेदती हुई निकल गई? क्रिकेट के इतिहास में यह अचम्भा पक्षी बार हुआ है.



धोरवा!

चालबाजी!

गेंद स्टाउ!

हमने तुम्हारे कप्तान को पहले कह दिया था कि बाउलिंग हम अपना गेंद से करेगा.



भारतीय कप्तान

बाबाजी! अब क्या होगा? मैच हार गए, समझो.

किंग न करो, उनका बेटा जेन बेटिंग करे लेनी करके जे जे करे.







दूध का दूध



रघु! बर्तन में चाचा चौधरी क्या ले जा रहा है?



उग्गु! यह तो पता नहीं, लेकिन चाचा चौधरी के पास जो चीज होती है, अच्छी होती है.



जाकर पता लगाओ कि उसमें क्या है?



चाचा चौधरी! बर्तन में क्या ले जा रहे हो?



रघु! इसमें भूरी भैंस का दूध है.







घड़ी चोर



कहो, सेठ गोकुल ! बड़े चबराए हुए आ रहे हो ?

चाचा चौधरी : बात ही कुछ ऐसी है



मेरे घर से घड़ियां चोरी होने लगी हैं. हर रात को जो घड़ी मैं अपने बिस्तर के पास रखकर सोता हूँ सुबह वह गायब होती है.



इस तरह चौबीस घड़ियां चोरी हो चुकी हैं. यह पच्चीसवीं घड़ी खरीदकर लाया हूँ.

मुझे अपने घर ले चलो.







साबू के कुण्डल

उस्ताद! मुझे क्यों बुलजाया ?

रोशा! मुझे साबू के कानों के कुण्डल चाहिए. वे ऐसे सोने के बने हैं जो पृथ्वी पर नहीं मिलता. वह ज़ूपीटर का शुद्ध धातु है.



अगर तुम उन्हें ले आओगे तो नकद हजार रुपया मिलेगा.

कस, एक हजार. उस्ताद, तुम्हें पता नहीं कि साबू से कुण्डल धीन कर लेना आम में हाथ देने के बराबर है.

ठीक है, दो हजार मिल जाएंगे.



उस्ताद! काम हो गया, समझो. रोशा ने बड़ों बड़ों के दिमाग ठिकाने लगा दिए हैं.

तुम नोट गिनो... मैं कुण्डल लेकर आया.





तुम बम नहीं फेंक सकते!

देखो मुझे गुस्सा मत दिलाओ. दोनों मारे जाओगे.



ओह!



मेरा थैला!



धूँटे! अब बोल!

नहीं!



अगर उस के पास बम होता तो वह उसे थैले में छिपाकर न रखता. थैले के अंदर से निकला केक. जो राकेट की भूख मिटा रहा है. *:



*** धारा चौधरी का विभाग कम्प्यूटर सेक्टर अजमेर ***



ओ रीडर
कैसे ख्याल ?



चचाजी! मैं आपके लिए
लकड़ू बनाई हूँ.



चचा! लकड़ू की
बहुत मर्यादा है.



जब चचाजी और चचाजी को
मैं लकड़ू बनिए, लकड़ू के
पसल बहुत लकड़ू है.



जल्दी!



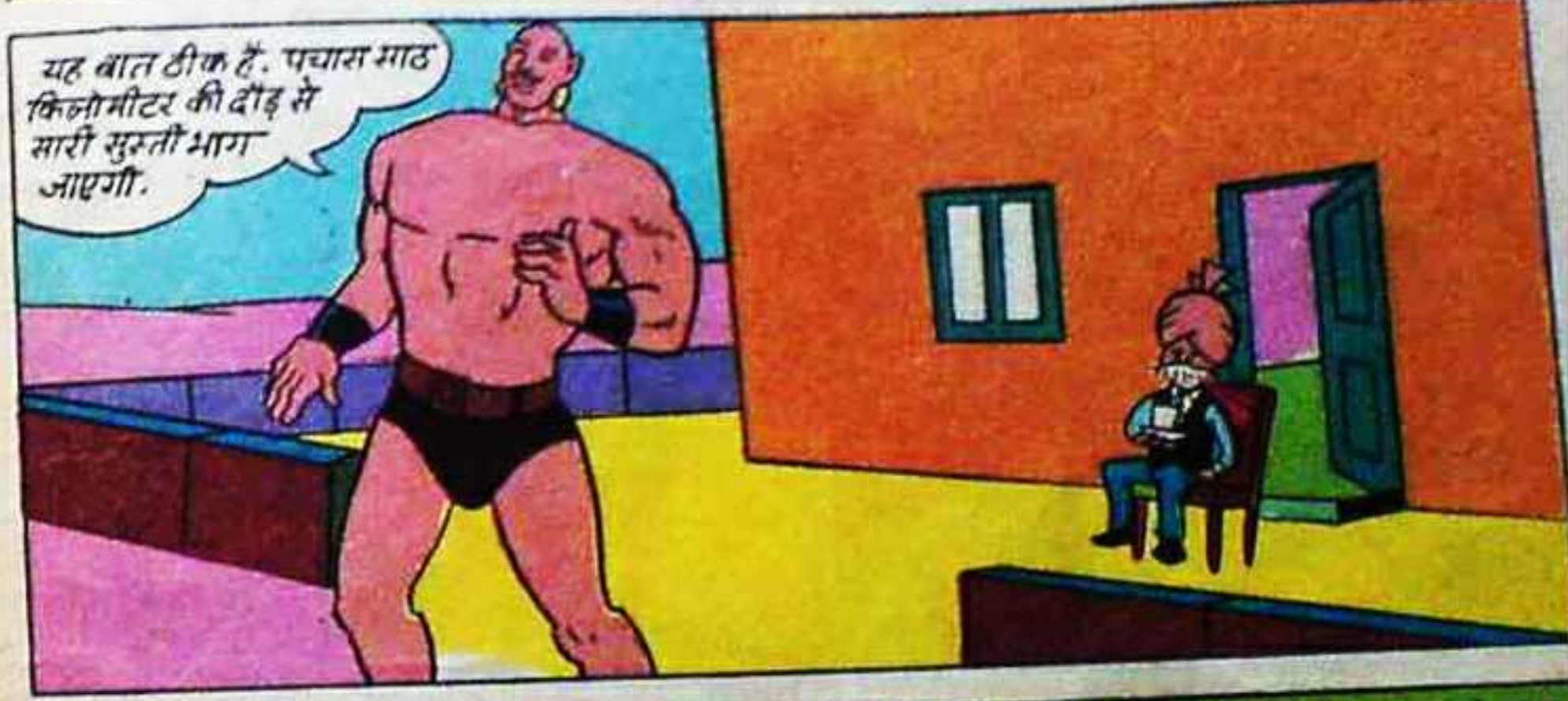
चलो.



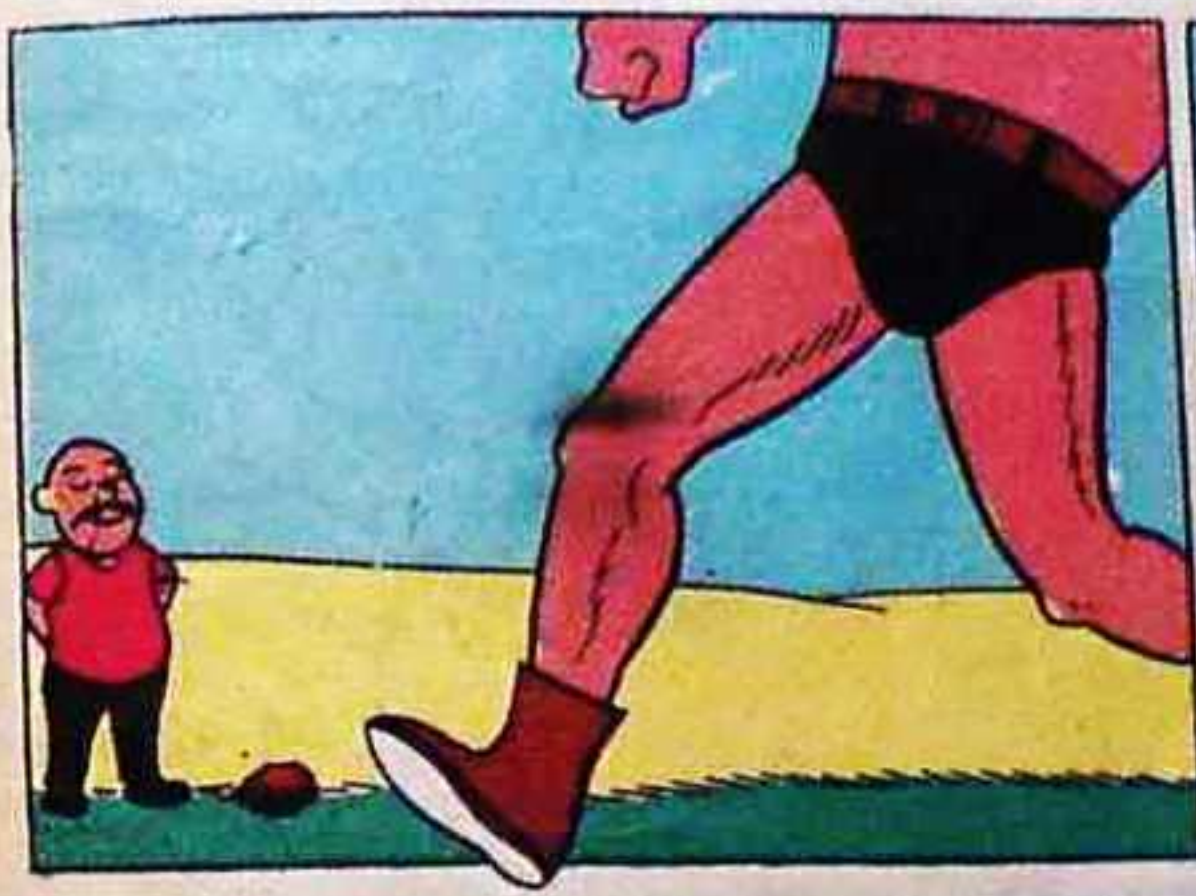
चचाजी! मैं लकड़ू की आपके
लिए स्पेशल व्यवस्था है.













मैं जाबू को बताता हूँ.

प्रकाशक किताबूराम ने तुम्हारे लिए एक किताब धापी है. उसे ले लो.

कोई अच्छी किताब लगती है.

डा.सा.

वाह! इसमें तो जुकाम से लेकर हड्डी टूटने तक को ठीक करने के तरीके लिखे हैं.

लपट और भूपट - दो बदमाश.

लपट! क्यों न हम उस लम्बे से किताब धीन लें?

भूपट! अपने किस कामकी? अपन तो अनपढ़ हैं.

बेककूफ! इतनी मोटी किताब रबड़ी में ही तीस-चालीस रुपए में बिक जाएगी.



आओ!



क्या! कितना बंधर दो नाले

लेकिन यह मुझे प्रकाशक ने भेंट की है.

मैंने चपट सुनने का आदी नहीं है.



नहीं मानते तो, लो!

ओह!



बचाओ!



हाय! मेरी गर्दन में मोच!

मेरी कमर टूट गई!



गर्दन की मोच और कमर के दर्द के लिए लिए लिखा है. खुना लमाओ और गर्म तेल की मालिश करो.



फार्मूला नं० 99

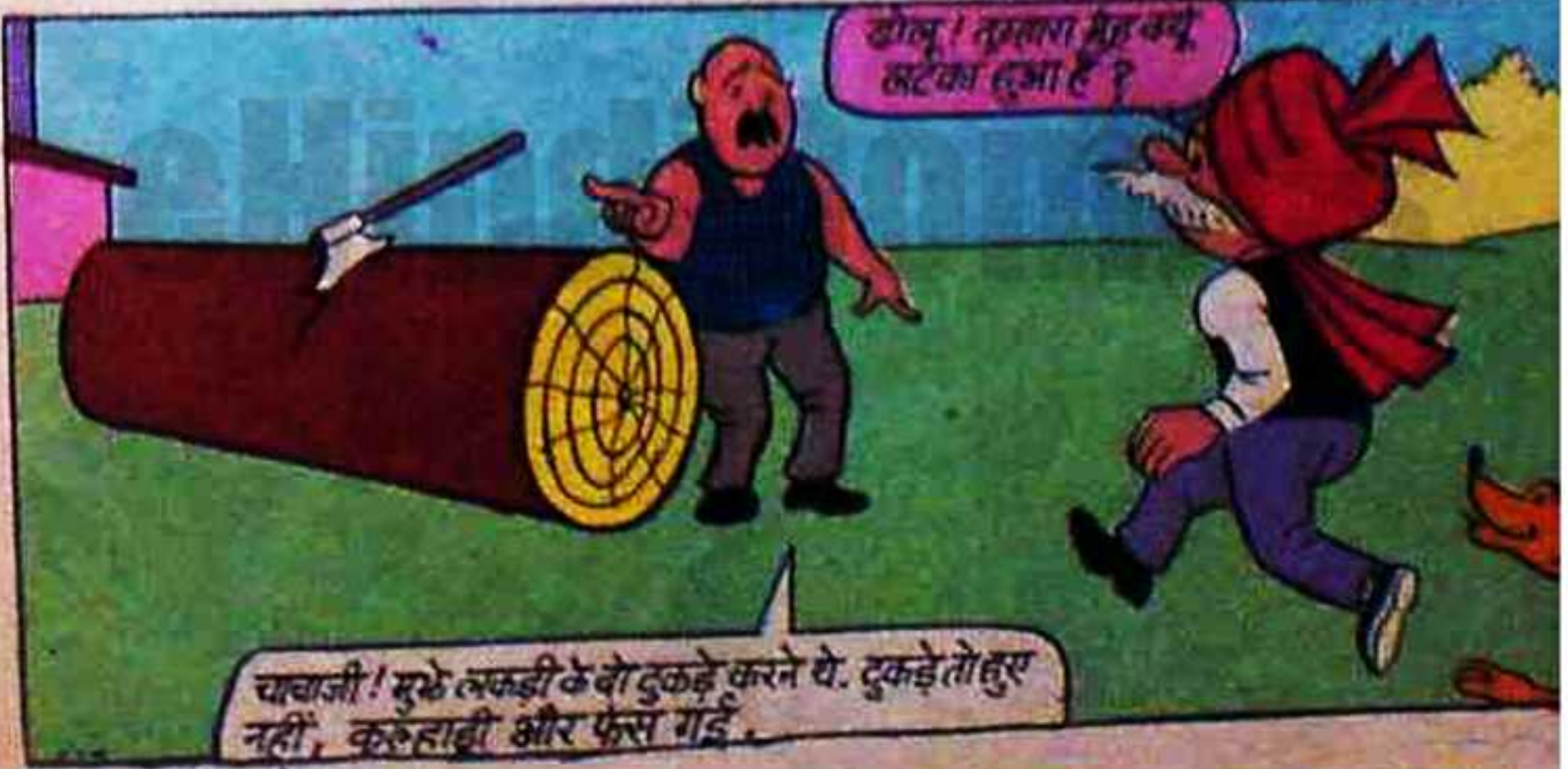
इसके दो टुकड़े करने हैं.



ओह! कुल्हाड़ी फेंस गई!



होल्! तुम्हारा मित्र क्यों लटका हुआ है ?



चाचाजी! मुझे लकड़ी के दो टुकड़े करने थे. टुकड़े तो हुए नहीं, कुल्हाड़ी और फेंस गई.



बसों ३ सालों! अगर यह लकड़ी काटने के लिए नहीं है तो फार्मूला नं. 99 किसके लिए है?



मैं कुल्हाड़ी पर बिना और कुल्हाड़ी के लकड़ी काट दूँ. यहाँ घोंसों का फार्मूला 99 बनाने नहीं हो सकता क्योंकि...

